समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, द्वितीय सत्र

व्याकरण (MSKTC 204) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन (Assignment) 1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 निम्नलिखित में से दो सूत्रों का अर्थ व उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।
तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः । ह्रस्वस्य पिति कृति तुक् । चजोः कु घिण्यतोः । युवोरनाकौ ।
रदाभ्यां निष्ठातो नः पूर्वस्य च दः ।

प्र. 2 निम्नलिखित में से दो की सूत्र सहित सिद्धि कीजिए-
चेयम्, कार्यम्, देयम्, हार्यम्, वाच्यम्, त्याज्यम् ।

प्र. 3 निम्नलिखित में दो की सिद्धि प्रक्रिया कीजिए-
पचेलिमः, ग्लेयम्, स्तुत्यः, भोज्यम्, स्थायी, गृहम्, जनमेजयः, अवावा, पण्डितमन्यः, शीर्णः, उच्छ्रून, जगन्वान्, द्रष्टुम्, पवित्रम्, उपाधिः, हित्वा ।

प्र. 4 निम्नलिखित में दो सूत्रों की अर्थ सहित उदाहरण दीजिए-
ऋहलोर्ण्यत्, अचोयत्, नपुंसके भावे क्तः, ण्वुल्तृचौ, त्वयत्तव्यानीयरः ।

समनुदेशन (Assignment) 2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 निम्नलिखित सूत्रों में से दो की सोदाहरण व्याख्या कीजिए-

1. प्रथमा निर्दिष्टं समास उपसर्जनम् ।
2. नाव्ययीभावादतोऽम् त्वपञ्चम्याः ।
3. एकविभक्ति चापूर्व निपाते ।
4. तत्रेपपदं सप्तमीस्थम् ।
5. गोस्त्रियोरूपसर्जनस्य ।
6. सप्तमीविशेषणे बहुव्रीहौ ।

प्र. 2 निम्नलिखित में से दो का विग्रह बताते हुए समास की प्रक्रिया कीजिए-
उपराजम्, अधिगोपम्, गोहितम्, पूर्वकायः, पञ्चगवम्, द्विरात्रम्, महाराजः, पाणिपादम् ।

प्र. 3 निम्नलिखित में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए-
अजाद्यतष्टाप्, उगितश्च, षिद्गौरादिभ्यश्च, पुंयोगादाख्यायाम्, पङ्गोश्च, यूनस्ति ।

प्र. 4 निम्नलिखित में से दो स्त्री प्रत्यय की सूत्र सहित प्रक्रिया कीजिए-
एडका, पचन्ती, गार्गी, नर्तकी, कुमारी, रात्रिः, मनुषी, करभोरुः, पङ्गू, युवति ।

समनुदेशन (Assignment) 3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 निम्नलिखित सूत्रों में से दो का अर्थ उदाहरण सहित लिखिए -

1. कर्तुरीप्सिततमं कर्म ।
2. तथा युक्तं चानीप्सितम् ।

3. ध्रुवमपायेऽपादानम् ।
4. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् ।
5. अधिशीङ्स्थासां कर्म ।
6. धारेरुत्तमर्णः ।

प्र. 2 निम्नलिखित में दो कारकों की प्रक्रिया सिद्ध कीजिए-

बलिं याचते वसुधाम् । अन्तरेण हरिं न सुखम् । दण्डेन घटः । पुष्पाणि स्पृहयति । राज्ञः पुरुषः ।

प्र. 3 निम्नलिखित कोष्ठांकित पदों में लगी विभक्तियों में से दो के औचित्य को सप्रमाण सिद्ध कीजिए-

(विषं) भुङ्क्ते, (गां) दोग्धि पयः, (अक्ष्णा) काणः, (उपाध्यायाद्) अधीते, (क्रूराय) द्रुह्यति, (सर्पिषो) ज्ञानम् ।

प्र. 4 निम्नलिखित सूत्रों में से दो का अर्थ उदाहरण सहित लिखिए -

1. अकथितं च।
2. उपानवध्याङ्वसः।
3. अपवर्गे तृतीया।
4. रुच्यर्थानां प्रीयमाणः।
5. भी-त्राऽर्थानां भय-हेतुः।
6. कर्तृ-कर्मणोः कृति

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत द्वितीय सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....